Page No.:
Date: / /

# मनोविदालिता
# (Schizophrenia)

schizophrenia एक psychotic mental disorder है। इसके अन्तर्गत तीव्र रूप से विकृत मनोदशा तथा विच्छिन्न व्यक्तित्व के रोगी आते हैं। इन रोगियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व टुकड़ों में बंटा होता है। इससे ग्रस्त रोगियों में id, ego and super ego के बीच असामंजस्य रहता है। इनमें संवेगात्मक निष्क्रियता, चिन्तन की जीर्णता, सामाजिक संबंध की दुर्बलता व्यामोह और विभ्रम की प्रधानता और व्यवहार में विचित्रता के लक्षण देखे जाते हैं। इस रोग की शुरुआत किशोरावस्था के प्रारंभ में ही होती है और लगभग 30 वर्ष की अवस्था तक यह रोग क्रमशः गंभीर और पुराना हो जाता है। अधिक पुराना होने पर रोग असाध्य स्वरूप का हो जाता है जिसे ठीक होने की संभावना नहीं रहती है।

इस रोग को dementia praecox के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ मानसिक या बौद्धिक ह्रास होता है।

Scanned with CamScanner

लेकिन स्विस psychotherapist Bleuler ने 1911 में इसे Schizophrenia की संज्ञा दी Schizophrenia से तात्पर्य मानसिक विखंडन होता है तब इस रोग का प्रारम्भ अधिकतर किशोरावस्था के प्रारम्भ में होता है तथा रोगी का वास्तविकता से संबंध टूट जाता है। 15 वर्ष से 45 वर्ष की ~~आयु~~ ~~तक~~ तक की आयुवर्ग के लोग ही अधिकतर इस रोग से पीड़ित होते हैं, विभिन्न मानसिक अस्पतालों में भर्ती होनेवाले रोगियों में इसके रोगी का अनुपात 50 प्रतिशत होता है।

## General symptoms of Schizophrenia

1 - प्रत्यक्षीकरण की अयोग्यता - Schizophrenia के रोगी में प्रत्यक्षीकरण की योग्यता नहीं रहती है जिससे वह किसी भी उपस्थित व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति का वास्तविक रूप में प्रत्यक्ष बोध कराने में असमर्थ रहता है। वह Relevant and irrelevant के बीच विभेद नहीं कर पाता है। रोगी की मानसिक ज्ञानात्मक प्रक्रिया प्रणीत non-associated हो जाती है।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

2. चिन्तन - प्रक्रिया की विकृति -
Schizophrenia के रोगी किसी समस्या का समाधान करने अथवा किसी विषय पर निर्णय करने में असमर्थ होते है इनकी चिन्तन विकृति का मुख्य कारण Lack of association होता है जिससे चिन्तन की प्रक्रिया बिना किसी क्रम के होती है।

3. संवेगात्मक विकृति एवं आतंक की भावना
इसके रोगी की ज्ञानात्मक और चिन्तन प्रक्रियाएँ विकृत हो जाती है इसलिए भावात्मक प्रक्रियाओं में विकार उत्पन्न हो जाता है क्योंकि मस्तिष्क की इन तीनों मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के बीच interdependent संबंध है। इन रोगियों में संवेगात्मक उदासीनता का लक्षण पाया जाता है। इसके रोगी कभी - कभी भयंकर रूप से आतंकित भी प्रतीत होते है।

4. विघटित व्यक्तित्व - Schizophrenia के रोगियों का व्यक्तित्व विघटित होता है इनकी cognitive, motor and affective mental process में co-ordination

या harmony का अभाव रहता है। इस लक्षण को Intra-Psychic ataxia कहते हैं जिसके फलस्वरूप रोगी की सभी क्रियाएँ असम्भव होती हैं।

मानसिक ह्रास - इस रोग से ग्रस्त रोगी में मानसिक ह्रास का लक्षण पाया जाता है इसके रोगियों में motor capacity, memory की क्षमता, learning ability इत्यादि में ह्रास के लक्षण कम या अधिक मात्रा में प्रायः पाए जाते हैं।

व्यामोह - इन रोगियों में व्यामोह के भी लक्षण पाये जाते हैं, इसके रोगियों को यह विश्वास बना रहता है कि इसके अनेक शत्रु हैं जो सदा उनके विरुद्ध किसी न किसी प्रकार की conspiracy करते रहते हैं।

विभ्रम → इसके रोगियों में विभ्रम भी पाया जाता है यह विभ्रम श्रवण-संबंधी दृश्य संबंधी, स्पर्श संबंधी, आदि कुछ भी हो सकता है। किन्तु श्रवण एवं दृश्य संबंधी विभ्रम-सर्वाधिक पाए जाते हैं।

Scanned with CamScanner

व्यवहार एवं वाक् संबंधी विकृति -

इसके रोगी का व्यवहार रूढ़िग्रस्त यानि stereotyped और impulsive होता है कुछ रोगी की शारीरिक मुद्रा भी विचित्र प्रकार की होती है जैसे कोई एक पैर पर खड़ा रहना, सदा प्रणाम की मुद्रा बनाए रखना इत्यादि बिना किसी कारण हँसते या रोते रहना।

इसके रोगी क गूँगे होते हैं इन्हें स्पष्ट रूप से बोलने में कठिनाई होती है कुछ रोगी अधिक talkative होते हैं परन्तु वह unsystematic incoherent, तथा irrelevant होता है।

लिखावट की विचित्रता → इसके रोगी की लिखावट में भी विचित्रता पाई जाती है इनके वाक्य निरर्थक और अधूरे होते हैं इनकी शैली में प्रायः Repetition और आडम्बरपूर्ण और असमतल की विशेषताएँ देखी जाती हैं ये लिखते समय symbols, numbers, words इत्यादि का प्रयोग बिना जुड़े रूप में जहाँ-तहाँ करते हैं।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

शारीरिक लक्षण – इसके रोगी विशेषकर प्रारम्भिक अवस्था के रोगी का शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है इसका कारण सामान्य श्रम, भोजन का अभाव तथा नींद की कमी है। रोगी कमजोर, और दीन होता है। इनके शरीर का तापमान भी अनियमित रहता है।

## Types of Schizophrenia

American Psychological Association ने schizophrenia के कई प्रकारों के बारे में बताया, वे निम्नलिखित हैं।

1 – Simple Schizophrenia
2. paranoid schizoid schizo
3. catatonic schizo
4. Hebephrenic schizo
5. childhood schizo
6. schizo – affective schizo
7. undifferentiated schizo
8 Residual schizo

Scanned with CamScanner